[This question paper contains 4 printed pages.]

Sr. No. of Question Paper : 5263 E आपका अनुक्रमांक............

Unique Paper Code : 205339

Name of the Course : B.A. (Prog.)

Name of the Paper : Hindi – A

Semester : III

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. किन्हीं दो अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (9+9=18)

(क) "नव-नवीन रूप-दृश्यवाले सौ-सौ विषय
रोज़-रोज़ मिलते हैं...
और, मैं सोच रहा कि
जीवन में आज के
लेखक की कठिनाई यह नहीं कि
कमी है विषयों की
वरन यह कि आधिक्य उनका ही
उसको सताता है,
और, वह ठीक चुनाव कर नहीं पाता है !!"

(i) 'सौ-सौ विषय' से कवि का क्या अभिप्राय है ?

(ii) इस अंश में 'लेखक की कठिनाई' क्या बताई गई है ?

(iii) कवि ने यहाँ सिर्फ चुनाव न लिखकर "ठीक चुनाव" क्यों लिखा ? स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

(ख) "यह ज़रूरी नहीं कि देर रात के गहरे सपने स्वदेशी ही हों। वे मूलतः विदेशी हो सकते हैं, लेकिन फिर भी राष्ट्रीयता के जन्म और विकास में सहायक हो सकते हैं। इसलिए यह ज़रूरी नहीं कि भारत के अवचेतन-विश्व में सिर्फ रामायण और महाभारत ही हों। करबला और हुसैन भी हमारे मिथक-विश्व के अंग हो सकते हैं, और हिंदुओं को भी उनके सपने आ सकते हैं। जब सिंहासन के प्रश्न नहीं थे, तब ईद और ताजिए क्या हिन्दू भागीदारी के त्योहार भी नहीं बनते जा रहे थे ?"

(i) लेखक विदेशी सपनों को भी राष्ट्रीयता के जन्म और विकास में किस प्रकार सहायक मानता है ?

(ii) 'अवचेतन-विश्व' तथा 'मिथक-विश्व' से क्या आशय है ?

(iii) लेखक यहाँ किस प्रकार के 'सिंहासन के प्रश्न' की बात कर रहा है, स्पष्ट कीजिए।

(ग) शहरों की प्रकृति और उनकी कौंध बड़ी भिन्न और अजीब होती है। आप देखेंगे कि कुछ शहर चाकू की तरह तेज़ और चमचमाते हैं, कुछ धीरे-धीरे मलिन, सुस्त जुगाली करते रहते हैं, कुछ बिना बात बीहड़ और उद्दंड हैं। कुछ शहर बग़ीचों की तरह भरी-पूरी सक्रिय स्त्रियों की तरह दमदमा रहे हैं। कुछ शहर धीमे, लापता आपको लपेट लेंगे। हम उनसे भागना चाहते हैं, भाग नहीं पाते और मर्ज़ लाइलाज हो जाता है। सारी उम्र भागते रहते हैं, लानत-मलामत करते हैं और वहीं ढेर हो जाते हैं।

(i) प्रस्तुत उद्धरण के लेखक और पाठ का नाम लिखिए।

(ii) अलग-अलग शहरों में विभिन्न प्रकार की दशा व अवस्थाओं के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'सारी उम्र भागते रहते हैं' से लेखक का क्या अभिप्राय है ?

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (6+6=12)

(i) 'मुझको न मिला रे कभी प्यार' कविता में व्यक्त प्रेम की अभिव्यक्ति के स्वरूप और उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (मुझको न मिला रे कभी प्यार)

(ii) 'पर्दा उठाओ । पर्दा गिराओ' एकांकी अव्यावसायिक नाटकों की किस व्यावहारिक समस्या को प्रस्तुत करता है, स्पष्ट कीजिए । (पर्दा उठाओ । पर्दा गिराओ)

(iii) 'बाजार दर्शन' पाठ में लेखक मनुष्य और बाज़ार के सम्बन्ध को किस नज़रिए से देखता है, विचार कीजिए । (बाजार दर्शन)

(iv) पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में लेखक किन-किन नियमों को अपनाने पर ज़ोर देता है । (सामान्य शब्द और पारिभाषिक शब्द)

3. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (5+5+5=15)

(i) भाषा को परिभाषित करते हुए उसके सामाजिक पक्ष को स्पष्ट कीजिए ।

(ii) भाषा की मूलभूत विशेषताएँ लिखिए ।

(iii) भाषा के पक्ष और संरचना पर विचार कीजिए ।

(iv) भाषा में होने वाले परिवर्तन के प्रमुख कारणों को स्पष्ट कीजिए ।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) भाषा और समाज के पारस्परिक सम्बन्धों पर टिप्पणी लिखिए ।

अथवा

भाषा के औपचारिक तथा अनौपचारिक रूपों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । (8)

(ii) भाषिक विविधता का विश्लेषण कीजिए ।

अथवा

भाषिक-प्रयोग किसी समाज की संरचना के भी प्रतीक होते हैं ? विवेचन कीजिए । (7)

5. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (5+5+5=15)

(i) पाँच तत्सम शब्द लिखकर उनके तद्भव रूप लिखिए ।

(ii) व्यंजक शब्द तथा व्यंग्यार्थ से आप क्या समझते हैं, सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

(iii) निम्नलिखित के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :-

सरल, आदर, सार्थक, आशा, चेतन।

(iv) निम्नलिखित के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए :-

बादल, आँख, आग, हवा, कमल।